Funds from NMFDC

4277. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether funds will be provided by National Minorities Financial Development Corporation for Housing Programmes if project reports are prepared;

(b) if so, how much funds were earmarked for 1994-95 and what is the modus operandi of disbursed of funds; and

(c) which schemes are taken up by the Corporation for the economic upliftment of minorities?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise

(c) The NMDFC provides financial assistance for schemes falling under various sectors of economy viz. (a) Agriculture and allied, (b) Technical trades-self-employment, (c) Small business, (d) Small Scale and tiny industries, (e) Artisan and traditional occupations and Transport services sectors.

Under term loan schemes, a beneficiary can be given upto Rs. 85,000 or 85 per cent of the cost of project (whichever is less) @ of interest of 7 per cent per annum for persons below the poverty line and 10 per cent for persons below double the poverty line for self employment schemes, which are financially viable and technically feasible.

Under Margin money loan schemes an amount of Rs. 25,000 upto a maximum of 25 per cent cost of project nan be provided at a rate of interest of 2 per cent per annum.

Post matric scholarships to SC, and ST Students

4278. SHRI SANATAN BISI: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether any monitoring or review was conducted by his Ministry with regard to the amount paid in respect of post matric scholarships for the SC and ST students during the years 1993-94 and 1994-95;and

(b) if so, what are details thereof?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) and (b) Monitoring and review of the Centrally Sponsored Schemes of Post-Matric Scholarship for Scheduled Caste and Scheduled Tribe students is an ongoing process through various meetings with the concerned State Governments, field visits of Officers, discussions in besides seeking progress reports from concerned State Governments and Union Territory Administrations on utilisation of Central Assistance and coverage of award. Independent research agencies are also financed to undertake evaluation studies on sample basis to assess implementation of the Scheme. As a part of the review a guideline dated 4th April, 1995 has also been issued to all State Governments and Union Territory Administrations for steamlining sanction and disbursement procedures towards timely payment of Scholarship to eligble students under the Scheme.

कतिपय क्षेत्रों/संप्रदायों को जनजातीय घोषित किये जाने के लिये अनुरोध

4279. श्री महेश्वर सिंह : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विभिन्न राज्य सरकारों, जन प्रतिनिधियों और संस्थाओं ने केन्द्रीय सरकार से कुछ क्षेत्रों/कतिपय संप्रदायों के व्यक्तियों को जनजातीय घोषित करने का अनुरोध किया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका राज्यवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) हिमाचल प्रदेश से इस प्रकार के अनुरोध कब-कब और किस-किस से भारत सरकार को प्राप्त हुये और उन पर क्या कार्यवाही की गई ?

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का सूचियों में 650 अनुसूचित जनजाति समुदायों को शामिल करने के लिये प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं। इनमें हिमाचल प्रदेश राज्य से 14 प्रस्ताव शामिल हैं। सभी प्रस्तावों का अब अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की सूचियों में संशोधन संबंधी एक सलाहकार समिति के समक्ष उनकी सिफारिशों के लिये रखा गया है। आगे इन प्रस्तावों के ब्यौरे लोकहित में प्रकट नहीं किये जा सकते।

1993, 1994 तथा 1995 के दौरान संसद सदस्यों से (1) शिमला, जिला हिमाचल प्रदेश के तहसील चिरगांव को तथा (2) हिमाचल प्रदेश, सिरमौर जिला के ट्रांसगिरी (गिरीपार) क्षेत्र को आदिवासी क्षेत्र/अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने के बारे में अभ्यावेदन प्राप्त हुये हैं। ब्यौरे इस प्रकार हैं:--

क्रम सं.	प्राप्त अभ्यावेदन	दिनांक के पत्र द्वारा	आदिवासी क्षेत्र/अनुसूचित क्षेत्र के रूप में घोषित किये जाने वाले क्षेत्र	की गई कार्रवाई
1	श्री के.डी. सुल्तानपुरी, संसद सदस्य	8-3-94	चिरगांव, तहसील जिला शिमला हिमाचल प्रदेश	1 से 7 इस मामले को हिमाचल प्रदेश सरकार तथा भारत के महापंजीयक के साथ उठाया गया है
2	श्री के.डी. सुल्तानपुरी, संसद सदस्य	23-5-93	सिरमौर जिला हिमाचल प्रदेश	
3	श्री के.डी. सुल्तानपुरी, संसद सदस्य	23-12-94	-वही-	
4	श्री प्रेम धूम, संसद सदस्य	16-3-95	-वही-	
5	श्री चटर्जी, संसद सदस्य	15-3-95	-वही-	
6	श्री महेश्वर सिंह, संसद सदस्य	27-3-95	-वही-	
7	श्री जे.आर. तोमर, अध्यक्ष, हाटी कल्याण कर्मचारी समिति, नाहन, जिला सिरमौर, जिला हिमाचल प्रदेश	19-12-94	-वही-	